एमिटी लॉ स्कूल सेन्टर-II

एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा

उत्तर प्रदेश

द्वारा आयोजित

प्रथम एमिटी राष्ट्रीय हिन्दी मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2016

दिनांक - 4, 5 और 6 अक्टूबर, 2016

मूट समस्या

नॉइदा पुलिस 43 साल के हीरा नाम के एक शख्स को गिरफ्तार करती है। हीरा को अवैध रूप से पिस्टल रखने के सिलसिले में गिरफ्तार किया जाता है। इसी मामले में पुलिस जब उससे पूछताछ करती है तो अचानक हीरा बताता है कि वो पहले भी कई जुर्म कर चुका है। इनमें 2012 में एक मर्डर भी शामिल है। हीरा ही वो शख्स था जो पहली बार खुलासा करता है कि मर्डर करने के बाद उसने लाश को हीरागढ़ के जंगलों में जला और दफना दिया था। क़ाबिले गौर बात यह थी की ये सारे बयान हीरा ने पुलिस के सामने किसी मॅजिस्ट्रेट की गैर मोजूद्दी मैं दिए|

नॉइदा से करीब 103 किलोमीटर दूर हीरागढ़ जिले के जंगल में एक महिला की अधजली लाश के कुछ हिस्से मिलते हैं। लोकल पुलिस मरने वाली की शिनाख्त करने की कोशिश करती है लेकिन कोई फायदा नहीं होता। तब हीरागढ़ के एसपी राज कुमार थे ,कुमार के मुताबिक शिनाख्त ना होने और कोई सबूत ना मिलने की वजह से रिपोर्ट लिखने के बाद पुलिस अधजली लाश के हिस्सों का संस्कार कर देती है। नॉइदा पुलिस जब हीरागढ़ पुलिस से संपर्क करती है तो पता चलता है कि मई 2012 में सचमुच एक महिला की जली हुई लाश के कुछ हिस्से मिले थे। इसी के बाद नॉइदा पुलिस की एक टीम फौरन हीरागढ़ रवाना हो जाती है। वहां हीरा के बताए जगह पर खुदाई की जाती है तो पता चलता है कि हीरा सच बोल रहा है। खुदाई में एक महिला की लाश के कुछ हिस्से मिलते हैं। बाद मैं यह भी पता चलता हैं की पुलिस ने ना तो कोई इनक्वेस्ट बनाई तथा रिपोर्ट भी तब दर्ज़ की जब नॉइदा पोलीस से जाँच आई इसके बाद नॉइदा पुलिस हीरा से जब और सख्ती से पूछताछ करती है तब वो पहली बार बताता है कि वो कुछ वक्त पहले रमाकांत शास्त्रीकी पत्नी ललिताका ड्राइवर था और ललिता के कहने पर ही उसने मोनिका नाम की महिला का कत्ल कर लाश हीरागढ़ के जंगल में दफना दी थी। हीरा ने पुलिस को बताया कि वो, उसका एक साथी और ललिता मोनिका के साथ नॉइदा के चेक नाकाइलाके से हीरागढ़ कार में गए थे। कार में ही उन्होंने पहले मोनिका की गला दबा कर हत्या कर दी और फिर हीरागढ़ के सुनसान जंगल में पेट्रोल डाल कर लाश जलाने के बाद बाकी हिस्सा दफना दिया।

हीरा के खुलासे और शुरूआती सबूत हाथ आते ही पुलिस ने मंगलवार शाम को ललिता

को नॉइदा में उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के मुताबिक पहले तो ललितान सिर्फ हीरा के इल्जामों से इंकार करती रहीं बल्कि यही कहती रहीं कि मोनिका उनकी बहन है और तीन साल से अमेरिका में रह रही है। लेकिन जब हीरा और उनका सामना कराया गया तो वो सहम गई और हीरा पे ही इल्ज़ाम लगाने लगी|उसके अनुसार हीरा मोनिका पे बुरी नज़र रखता था और इसी रवैये के चलते ललिता ने हीरा को नौकरी से बाहर कर दिया था| ललिता को पुलिस ने शक के आधार पर हिरासत में ले लिया| पुलिस हिरासत मैं ललिता ये क़ुबूल करती है की हत्या उसके कहने पे ही हुई है|अपने बयान मैं ललिता ने किसी और साझेदार का कोई ज़िक्र नही किया था।

ललिताके बाद पुलिस ने बुधवार शाम को उनके पूर्व पति जयंतअरोरा को भी कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की सारी तफ्तीश ललिताके रिश्तों और कारोबारी पैसों के इर्द-गिर्द ही घूम रही थी। पुलिस सूत्रों की मानें तो मोनिका की अपने सौतेले भाई राहुल से रिश्ते और कुछ प्रापर्टी और पैसों को लेकर ललिता से अनबन थी और यही उसके कत्ल की वजह बनी।

जयंत अरोरा पुलिस हिरासत मैं ये बयान देता है की ये सब उसे फसाने की साज़िश है तथा उसका ललिता से सालो से कोई वास्ता नही है| जयंत ये भी कहता है की ललिता भले ही चरित्र मैं कैसी भी हो वो हत्या जैसा अपराध नही कर सकती|

रमाकांत शास्त्रीके मुताबिक वो अब तक इस सच से अनजान बने हुए थे और अब जब मोनिका के कत्ल की कहानी सामने आई है, उन्हें भी इस सच का पता चला।

न्यायिक हिरासत मे रहते हुए ललिता ने दो बार अपने स्टेट्मेंट मॅजिस्ट्रेट को दर्ज़ कराए| पहले स्टेट्मेंट मे ललिता ने बताया रमाकांत शास्त्रीसे शादी करने से पहले तक ललिता एक आम महिला थीं| रमाकांत के साथ शादी से पहले उसने दो बार शादी की थी / जूक बॉक्स में एचआर में काम करती थीं लेकिन रमाकांत से शादी करते ही उनकी किस्मत का सितारा बुलंदी पर पहुंच गया. दौलत-शोहरत दोनों मिले लेकिन रिश्तों की जमीन पर उनके पैर हमेशा डगमगाते ही रहे. रमाकांत ने 2007 में दबंग चैनल शुरु किया, इस कंपनी में वो खुद चेयरमैन बने और ललिता को दृष्टि मीडिया की सीईओ बनाया। साल 2008 में जनर ल गिल्ड संस्था ने ललिताको दुनिया की 50 बिजनेस वुमेन की लिस्ट में 15वां स्थान दिया लेकिन 2009 में रमाकांत और ललितादोनों ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया।

उन दोनो पर कंपनी की राशि गबन का इल्ज़ाम लगाया गया था तथा नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए दोनो ने इस्तेफ़ा दे दिया था|इस्तीफ़े की तारीख को मोनिका के सिंगापुर स्थित अकाउंट मैं एक बहुत बड़ी राशि का हस्तांतरण होता है तथा उसके दो महीने बाद से मोनिका लापता हो जाती है/

रिश्तों के जाल में उलझी हाल के वक्त की ये एक ऐसी कहानी जो न मालूम कब तक सुनी और सुनाई जाती रहेगी। एक मां अपनी सगी बेटी को दुनिया के सामने अपनी बहन

बताती है और इसके बाद उस बेटी को उसी मां के सौतेले बेटे से प्यार हो जाता है. फिर तीन साल पहले अचानक वो बेटी गायब हो जाती है। अब तीन साल बाद उसी मां पर अपनी उसी बेटी के कत्ल का इल्जाम लगा है।

ये मां कोई और नहीं बल्कि कभी टॉप 50 बिजनेसवुमेन में अपनी जगह बनाने वाली और मीडिया टायकून रमाकांत शास्त्रीकी पत्नी ललिताहैं. नॉइदा पुलिस अवैध हथियार के एक केस की तफ्तीश कर रही थी। इसी सिलसिले में श्याम हीरा नाम का एक शख्स इसी महीने 21 अगस्त को उसके हाथ लग जाता है। इसके बाद जैसे-जैसे श्याम मुंह खोलता जाता है खून की सबसे खौफनाक कहानी सामने आती जाती है। दरअसल मोनिकाका कत्ल 24 अप्रैल 2012 को नॉइदा से हीरागढ़ जाने के दौरान कार के अंदर ही कर दिया गया था।

पुलिस अपनी तफ़तीश करती है और कुछ और पहलुओ पे रोशनी डालती है जैसे की, हीरा के उपर पहले भी बलात्कार और हत्या जैसे संगीन अपराधो का चार्ज लग चुका है तथा मानसिक संतुलन ठीक ना होने के कारण वो बरी हो चुका है।

मामला गंभीर होता देख और। पुलिस की नाकाम कॉसिषो के मद्देनज़र राज्य सरकार केस CBI को दे देती है। CBI तफ़तीश करती है और अपनी रेपर्ट दर्ज़ करती है जिसके मुताबिक । पुलिस की लापरवाही के कारण और सबूत ना मिल पाने के कारण ललिता पे अपराध सिद्ध होता है तथा हीरा और जयंत का अपराध मैं लिप्त होना भी स्वाभाविक है।

नोट: भारतीय क़ानून को आधार बनाते हुए दोनो पक्षों से मूट मेमोरियल बानवे तथा केस की पेरवी करें |

**यह मूट समस्या श्रीमान तुषार वेद सॉक्सेना द्वारा रचित हैं |*